



Bareilly, Saturday,
25 September 2026
BAREILLY EDITION

Price ₹3.50/-
Pages 12

दैनिक जागरण

inext

PAGE NO 2 : MIDDLE

कांफ्रेंस अल-करीम विवि के वीसी डॉ. सैयद मोइद अहमद को श्रीराम मूर्ति ओरेशन से किया गया सम्मानित

चिकित्सा शिक्षा में अनुसंधान और उपचार पर जोर

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (25 Sep): देश के सभी लोगों को उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करना प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता में है। आयुष्मान भारत योजना के जरिये सरकार इसे कमजोर वर्ग के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का काम कर रही है। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज ने भी इसी काम के जरिये देश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। आरंभ से ही यहाँ की विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रशंसक रहा हूँ, यह बात शारखंड के राज्यपाल एवं बरेली के पूर्व संसद संतोष गंगवार ने एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में आयोजित 9वीं पल्मोक्रिट कांफ्रेंस के इनांग्रेशन पर कही, उन्होंने क्रिटिकल केयर सुविधा को आधुनिक चिकित्सा का अहम हिस्सा बताया। इसे बढ़ाने के साथ गांवों तक ले जाने और



● गुरतक का गैस्ट ने किया विमोचन.

चिकित्सा शिक्षा में अनुसंधान और मरीजों के उपचार पर जोर दिया। शारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार और एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति ने कांफ्रेंस में अपने व्याख्यान के लिए अल-करीम विश्वविद्यालय, कटिहार के कुलपति डॉ. सैयद मोइद अहमद को श्रीराम मूर्ति ओरेशन से सम्मानित किया। सभी अतिथियों ने 9वीं पल्मोक्रिट कांफ्रेंस की स्मारिका का भी विमोचन किया।

उपचार में अहम भूमिका

इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (आईएससीसीएम) के बरेली चैंटर के स्रष्टा से एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के रेस्पिरेटरी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग की ओर से आयोजित चार दिवसीय 9वीं एसआरएमएस पल्मोक्रिट कांफ्रेंस का शुक्रवार को इनांग्रेशन हुआ। मुख्य अतिथि शारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने पल्मोक्रिट

कांफ्रेंस के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी और इसमें शामिल होने पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में अनुसंधान की जानकारी और प्रशिक्षण के जरिये के साथ मरीजों के उपचार में इस तरह की कांफ्रेंस महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे में एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में हो रही यह विशेष चिकित्सकों का यह सम्मेलन प्रासंगिक है। यहाँ अनुसंधान की जानकारी के साथ वर्कशॉप के जरिये दिया जा रहा प्रशिक्षण मरीजों के उपचार में अहम भूमिका निभाएगा। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति ने कहा कि वर्ष 2002 में जब एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज स्थापना के समय इस क्षेत्र में हॉटर्स में मरने वालों की मृत्यु दर 35 प्रतिशत थी जो आज घटकर 15 फीसद हो गई है।

थीम की दी जानकारी

इससे पहले कांफ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी एवं रेस्पिरेटरी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डा. ललित सिंह ने सभी का स्वागत किया और 9वीं एसआरएमएस पल्मोक्रिट कांफ्रेंस की थीम 'सीमाओं से परे क्रिटिकल केयर: संसाधन-सीमित परिस्थितियों में गहन चिकित्सा सेवाओं में बदलाव' की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पल्मोक्रिट कांफ्रेंस के तीसरे और चौथे दिन के सत्र क्रमशः शनिवार और रविवार को रामनगर (उत्तरखंड) से आयोजित किए जाएंगे। कांफ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग प्रेसिडेंट एवं मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एसएस बुटोला ने कांफ्रेंस को विशेष बताया। इनांग्रेशन समारोह में मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति ने सभी का आभार जताया और धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अल-करीम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सैयद मोइद अहमद को श्रीराम मूर्ति ओरेशन से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (आईएससीसीएम) के नेशनल प्रेसिडेंट डा. रणवीर सिंह त्यागी, इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (आईएससीसीएम) के पूर्व नेशनल प्रेसिडेंट एवं क्रिटिकल केयर, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के नेशनल चेयरमैन डॉ. नरेंद्र संगता और रिसर्च एक्सीलेंस अवॉर्ड 2021 हासिल करने वाले एवं क्रिटिकल केयर विभाग, रिस (रांची) के डॉ. जय प्रकाश को भी सम्मानित किया गया। इनांग्रेशन समारोह का संचालन डा. रुचि शाह ने किया। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट सलाहकार सुभाष मेहरा, बोर्ड ऑफ गैवर गुरु मेहरोत्रा, मेडिकल सुपरिटेण्डेंट डा. आरपी सिंह, डीन पीजी डा. एसके सागर, डीन यूजी डा. बिंदु गुप्ता, कांफ्रेंस के साइंटिफिक चेयरमैन डा. राजीव टंडन, चीफ एडिटर डा. पियूष कुमार व वर्कशॉप चेयरमैन डा. निपुण अग्रवाल आदि मौजूद रहे।